मेट्रो निर्माण से शहर में बढ़ा ट्रैफिक जाम

जवाहर चौक से न्यू मार्केट के बीच एक लेन में सिमटी सड़क

प्रांजुल पांडेय

भोपाल, 28 अगस्त . राजधानी में ब्लू लाइन मेट्रो के निर्माण के चलते शहर के मध्य हिस्से में यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है. जवाहर चौक से न्यू मार्केट के बीच करीब तीन किलोमीटर हिस्से में निर्माण कार्य के कारण सड़क का बड़ा हिस्सा घिर गया है. इससे उपलब्ध सड़क मार्ग कई जगहों पर एक लेन तक सिमट गया है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर वाहनों की आवाजाही, पार्किंग, ऑटो स्टैंड और अस्थायी दुकानों के कारण परेशानी और बढ़ गई है. जवाहर चौक पर मेट्रो निर्माण क्षेत्र के पास सड़क के बीच निजी वाहनों की पार्किंग होने से दाएं मुड़ने और यू-टर्न लेने वाले वाहन भी प्रभावित हो रहे हैं.

वहीं रंगमहल चौराहे के बीच ऑटो-रिक्शा खड़े होने से सड़क की चौड़ाई और कम हो जाती है. इससे पीक आवर्स में जाम की स्थिति बनने की आशंका रहती है. सबसे बड़ी चिंता कटजू अस्पताल की ओर जाने वाले रास्ते को लेकर है. स्थानीय लोगों के मुताबिक अस्पताल की ओर जाने वाला मोड़ बाधित होने से मरीजों और एंबुलेंस की आवाजाही प्रभावित हो सकती है. क्षेत्र में करीब 100 सड़क किनारे दुकानों के होने की बात भी स्थानीय लोगों ने कही है. लोगों का सवाल है कि मेट्रो निर्माण के दौरान यातायात प्रबंधन के लिए पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए. उनका कहना है कि करोंद क्षेत्र में ऑरेंज लाइन के निर्माण के दौरान हुई यातायात अव्यवस्था से सबक लेकर ब्लू लाइन के काम में बेहतर ट्रैफिक प्लान बनाया जाना चाहिए था.

> कार्य को समय पर पूरा करने के लिए रात के समय भारी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है. काम के दौरान लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है और आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं.
> **धीरज शुक्ला,** जनसंपर्क अधिकारी, मेट्रो

पति की प्रेमिका ने पुराने आशिक के साथ मिलकर की थी हत्या

आरोपियों ने महिला का गला दुपट्टे से कसकर उतारा मौत के घाट, गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

भोपाल,28 अगस्त. रातीबड़ थाना क्षेत्र में राखी रैकवार की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. पुलिस के मुताबिक, पति की प्रेमिका शशि रैकवार ने राखी को रास्ते से हटाने के लिए अपने पुराने आशिक नरेंद्र रैकवार के साथ मिलकर हत्या की थी.

23 अगस्त को पति मोनू रैकवार के काम पर जाने के बाद शशि ने नरेंद्र को चुपके से घर बुलाया. दोनों ने राखी का मुंह दबाया और दुपट्टे से गला कसकर उसकी हत्या कर दी. इसके बाद शव को पास के खंडहर मकान में चादर से ढककर छिपा दिया. पुलिस ने मामले में शशि रैकवार (23) और नरेंद्र रैकवार (27) को गिरफ्तार किया है. नरेंद्र को इटारसी से पकड़ा गया, जबकि शशि को घर से गिरफ्तार किया गया. पुलिस जांच में सामने आया कि मृतका राखी रैकवार अपने पति मोनू रैकवार के साथ ग्राम गोरागांव में रहती थी. इसी दौरान मोनू की प्रेमिका शशि भी उनके संपर्क में थी और एक ही जगह रह रही थी. पुलिस के अनुसार, शशि को राखी का पति के साथ रहना पसंद नहीं था. इसी वजह से उसने राखी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई.

पति के जाते ही पुराने आशिक को बुलाया

23 अगस्त को मोनू काम के लिए घर से बाहर गया था. उसके जाने के बाद शशि ने अपने पुराने आशिक नरेंद्र को घर बुलाया. पुलिस के मुताबिक, शशि ने राखी का मुंह दबाया, जबकि नरेन्द्र ने उसका गला दबाया. इसके बाद दुपट्टे से गले पर गांठ कसकर उसकी हत्या कर दी गई. हत्या के बाद दोनों ने शव को पास के खंडहर मकान में छिपा दिया. 24 अगस्त को मोनू रैकवार ने पत्नी राखी के घर से बिना बताए चले जाने की सूचना रातीबड़ पुलिस को दी थी. उसने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा पत्नी के अपहरण की आशंका भी जताई थी. इसी दौरान सूचना मिली कि घर के पास एक अज्ञात महिला का शव पड़ा है .मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान राखी के रूप में की.

बिना पर्यावरण अनुमति के बन रहे आवास

नगर निगम के वर्ष 2022 से 18 प्रोजेक्ट निर्माणाधीन

20 हजार वर्गफीट क्षेत्रफल के निर्माण पर अनुमति जरूरी

विजय शर्मा

भोपाल, 28 अगस्त. गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए पीएम आवास योजना के तहत सैकड़ों मकान बनाए जा चुके है. वर्तमान में नगर निगम के 18 प्रोजेक्ट शहर के अलग अलग क्षेत्रों निर्माणाधीन हैं.

इनमें से अधिकतर प्रोजेक्ट के लिए पर्यावरण विभाग से अनुमति नहीं ली गई है. यह सभी प्रोजेक्ट वर्ष 2022 से निर्माण मंजूरी को लेकर सवालों के घेरे में हैं. हाउसिंग फॉर ऑल योजना के तहत नगर निगम द्वारा केवल राहुल नगर प्रोजेक्ट में पर्यावरण परमिशन लिए जाने की जानकारी मिली है.

नियमों के अनुसार 20 हजार वर्गफीट या उससे अधिक के आवासीय निर्माण पर पर्यावरणीय अनुमति आवश्यक होती है. इन बिना पर्यावरण विभाग की अनुमति के प्रोजेक्टों पर जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं.

नगर निगम को आवासीय भवनों के निर्माण से पहले ही पर्यावरण विभाग से अनुमति लेना थी लेकिन यह प्रकिया नहीं अपनाई. अधिकारियों को यह जानकारी मिली तो अब पर्यावरण विभाग को अनुमति के लिए आवेदन किये गए हैं. अनुमति जल्द ही मिलने की संभावना है.

> **इनका कहना है ...**
> वर्ष 2022 में प्रोजेक्ट शुरू हुए थे. कुछ में परमिशन हैं, जिनमें नहीं है उनकी परमिशन के लिए आवेदन दे दिए हैं. **तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर आयुक्त,** नगर निगम

सुप्रीम कोर्ट से भी अधिवक्ता यावर खान को राहत नहीं

भोपाल,28 अगस्त. राजधानी के चर्चित देह व्यापार और दुष्कर्म मामले में अधिवक्ता यावर खान को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली. न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति नोंगमीकापम कोटिस्वर सिंह की पीठ ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के 17 जून 2026 के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी.

अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप का कोई औचित्य नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दाखिल करने में हुई देरी को माफ कर दिया, लेकिन मामले के गुण-दोष पर राहत देने से इनकार कर दिया. इसके साथ ही याचिका और उससे जुड़े लंबित आवेदनों का भी निपटारा कर दिया गया. मामला पॉक्सो अदालत में सुनवाई के दौरान सामने आया था. नाबालिग पीड़िता ने अपनी गवाही में अधिवक्ता यावर खान पर दुष्कर्म के गंभीर आरोप लगाए थे.

आरोपों के आधार पर यावर खान न्यायिक हिरासत में हैं. हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन वहां से भी याचिका खारिज होने के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं.

नौवीं से बच्चे सीखेंगे एआई

01 सितंबर से शुरू होंगी ऑनलाइन कक्षाएं

नवभारत न्यूज

भोपाल, 28 अगस्त. मध्य प्रदेश के सरकारी हाईस्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों में अब कक्षा नौवीं से विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की पढ़ाई कराई जाएगी. इसके लिए प्रदेश के 1848 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी स्कूलों का चयन किया गया है.

इन स्कूलों में 1 सितंबर से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू होंगी. नई व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों को एआई की मूलभूत जानकारी देने के साथ आधुनिक तकनीक के उपयोग और उससे जुड़े कौशल से परिचित कराया जाएगा. इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है. सरकारी स्कूलों में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. चयनित स्कूलों में उपलब्ध सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संसाधनों का उपयोग कक्षाओं के संचालन में किया जाएगा. ऑनलाइन माध्यम से विशेषज्ञों और शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को विषय की जानकारी दी जाएगी. शिक्षा विभाग की इस पहल से ग्रामीण और छोटे शहरों के विद्यार्थियों को भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती तकनीक को शुरुआती स्तर से समझने का अवसर मिलेगा.

केवायसी के नाम पर थमा रहे हैं गैस पाइप

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 28 अगस्त, जवाहर चौक क्षेत्र में स्थित इंडेन की एक गैस एजेंसी पर अगर किसी को केवायसी करना है तो गैस पाइप लेना अनिवार्य कर दिया है.

पाइप लाइन के बदले दो सौ रुपए लिए जाते हैं. नहीं देने पर केवायसी नहीं की जाती.कई उपभोक्ताओं ने इस तरह की शिकायतें की हैं. गैस सिलेंडर बुकिंग में समस्या न हो, इसके लिए केवायसी कराना अनिवार्य है. अब जब उपभोक्ता एजेंसी पर केवायसी कराने जाता है तो पहले उसे गैस पाइप थमा दिया जाता है. जिसकी कीमत 190 रुपए है लेकिन 200 रुपए लिए जा रहे हैं. इसका बिल भी नहीं दिया जा रहा है.

> **इनका कहना है**
> मामला संज्ञान में आया है. इसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी
> **-सीएस जादौन,** जिला आपूर्ति अधिकारी

दो सौ रुपए में देते हैं पाइप, नहीं दिया जाता है बिल

12 साल बाद मिला नर्मदा जल

कॉलोनी सेल के गठन से जनता को मिली राहत

समस्याओं के निराकरण में आई तेजी

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 28 अगस्त. राजधानी में निजी कॉलोनियों में जनता की समस्याओं को निराकरण अब जल्द होने लगा है. यह कार्य कॉलोनी सेल के गठन होने के बाद ही संभव हो सका है. अब कहीं 7 साल तो कहीं 12 साल बाद रहवासियों को नर्मदा जल मिलने लगा है. लगभग दो माह पहले कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कॉलोनी सेल का गठन किया था.

सेल का प्रभारी एसडीएम सुमित कुमार पांडे को बनाया है. कॉलोनी सेल का उद्देश्य निजी कॉलोनियों में रहने वाले लोगों और बिल्डरों को बुलाकर समस्याएं हल करना है. इससे रहवासियों की समस्याओं का जल्द निराकरण हो सके.

अधिकतर कॉलानियों में कॉलोनाइजर द्वारा जनता के साथ शर्तों के मुताबिक सुविधाएं नहीं दिए दी जा रही थी. जिससे कहीं पानी की तो कहीं सीवेज, नाली, पार्क की समस्या बनी रहती थी.

जिससे कॉलोनी के रहवासियों और बिल्डरों के बीच विवाद की स्थिति बनी रहती थी. इन विवादों की शिकायतें कई बार थानों तक पहुंच जाती थी. अधिकतर शिकायतें कलेक्टर कार्यालय में होने वाली जनसुनवाई और सीएम हेल्पलाइन पर की जाती थी. उसके बाद भी निराकरण नहीं हो पाता था. कॉलोनी सेल गठन होने के बाद शहर की एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों के रहवासियों की समस्याओं का निराकरण किया जा चुका है. साथ बिल्डर और रहवासियों को राहत भी मिल चुकी है.

> **इन कॉलानियों को मिली राहत**
> -कोरल कासा कॉलोनी में 7 साल बाद नर्मदा जल आपूर्ति शुरू कराई गई.
> -पिंक सिटी कॉलोनी के दो परिवारों 12 वर्षों बाद आवास का पजेशन दिलाया.
> - गायत्री गृह निर्माण सोसायटी का सीमांकन विवाद सुलझाया.
> - जीएमवी अनंता कॉलोनी में 12 अगस्त को पजेशन दिलाया.
> -भविष्य मेट्रो सिटी कॉलोनी की समस्याओं का निराकरण.
> -रेरा प्रकरण में 13 लाख 60 हजार की राहत दिलाई.
> -गृह निर्माण सोसायटियों के चुनाव कराने के दिए निर्देश.

> **अधूरे कार्य पर बिल्डरों को दें नोटिस : कलेक्टर**
> कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने पुन: सख्त निर्देश दिए हैं, जो अधिकारी लोगों की शिकायतें सुनकर निराकरण नहीं कर रहे हैं, उनको कारण बताओ नोटस जारी किए जाएं. इसके अलावा बिल्डरों की जवाबदेही तय की जा रही है. इतना ही नहीं अवैध कॉलोनियों और अधूरे विकास कार्यों से संबंधित बिल्डरों को नोटिस जारी कर कार्य पूर्ण करने तथा अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं.

मेन सड़क के बीच में बड़ा गड्ढा, जिम्मेदारों का नहीं है ध्यान

भोपाल . भानपुर से विदिशा की ओर जाने वाली मेन सड़क के बीच में बड़ा गड्ढा हो गया है और यहां बारिश का पानी भी कई दिनों से जमा है . इस पर जिम्मेदारों का इस पर ध्यान नहीं जा रहा है .

मैनिट का प्रोफेसर छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

भोपाल, 28 अगस्त. मैनिट के प्रोफेसर यदुनाथ पाठक पर महिला से छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है. महिला की शिकायत पर कमला नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया है.

हालांकि, गिरफ्तारी के बाद आरोपी को नोटिस देकर छोड़ दिया गया. पीड़िता का आरोप है कि आरोपी पिछले कई महीनों से उसे परेशान कर रहा था. कुछ दिन पहले भी उसने थाने में शिकायत की थी. उस समय आरोपी ने माफी मांग ली थी, जिसके बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया था. आरोप है कि इसके बाद भी प्रोफेसर ने महिला के चरित्र को लेकर गलत बातें फैलाना शुरू कर दिया. महिला ने आरोप लगाया कि शुक्रवार को आरोपी दोबारा उसके घर में घुसा और उसके साथ छेड़छाड़ की. विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी. इसके बाद परेशान होकर महिला ने शुक्रवार शाम कमला नगर थाने पहुंचकर दोबारा शिकायत की.

जनसमस्या निवारण शिविर आज, शिकायतों का होगा त्वरित निराकरण

भोपाल. मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शनिवार को नगर निगम के वार्ड क्रमांक-51 स्थित सी-सेक्टर जैन मंदिर के पास, शाहपुरा में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा. शिविर में क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जन-संवाद के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा. साथ ही शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा और लोक सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित किया जाएगा.

डकैती की साजिश रच रहे 6 आरोपी गिरफ्तार

- ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाना था
- पुलिस की सतर्कता से बड़ी वारदात टल गई

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 28 अगस्त. गोविंदपुरा इलाके में शुक्रवार को एक नाबालिग सहित 6 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है. आरोपी पंचवटी मार्केट स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे. वारदात से पहले पुलिस उनके पास पहुंची और मामले में कार्रवाई की गई.

जानकारी के मुताबिक पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपियों ने ज्वेलरी शॉप पर डकैती की योजना बनाकर वारदात करने के फिराक में हैं. मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने सभी आरोपियों को पकड़ा.

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने रची गई साजिश को लेकर भी खुलासा किया. पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है. आरोपियों ने जिस दुकान को लेकर निशाना बनाया था. पुलिस की सतर्कता से वहां होने वाली संभावित बड़ी वारदात टल गई.

राजधानी में दिनभर हुई रिमझिम बारिश

भोपाल. राजधानी में शुक्रवार को दिनभर रुक-रुककर बारिश हो रही. राजधानी में बीते 24 घंटे में 8.4 मिमी बारिश दर्ज की गई. इसके साथ ही एक जून से अब तक भोपाल में कुल 37.38 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 5.26 इंच अधिक है. वहीं, बड़े तालाब का जलस्तर 1666.25 फीट पर पहुंच गया है. तालाब के फुल टैंक लेवल के लिए 1666.80 फीट जलस्तर निर्धारित है. ऐसे में तालाब को पूरी क्षमता तक भरने के लिए अभी करीब 0.55 फीट पानी की जरूरत है.

नेपाल में बाढ़ भोपाल में रह रहे नेपाली परिवार के 29 करीबी नेपाल में लापता

बच्चों का ख्याल रखना ...फिर टूट गया अपनों से संपर्क

नवभारत न्यूज

भोपाल, 28 अगस्त. बुधवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे फोन की घंटी बजी तो कोलार क्षेत्र में रहने वाली देवकी अधिकारी ने राहत की सांस ली. दूसरी तरफ नेपाल के गोसाईकुंड की धार्मिक यात्रा पर गए उनके परिवार और रिश्तेदार थे. कुछ पल की बातचीत में वहां के हालात का अंदाजा लग गया.

परिवार ने बताया कि अचानक आई बाढ़ और मलबे के सैलाब में उनकी बस बह गई है. जान बचाने के लिए वे सामान और खाना छोड़कर पहाड़ की ओर भागे और एक मकान की छत पर शरण ली. लेकिन पानी वहां भी भरने लगा था. देवकी के मुताबिक, बातचीत के दौरान परिवार के एक सदस्य ने कहा कि हम नहीं बच पाएंगे, बच्चों का ख्याल रखना. यह बात कहने के थोड़ी देर बाद ही फोन बंद हो गया. उसके बाद से परिवार के 29 सदस्यों में से किसी से भी संपर्क नहीं हो पाया है. हर गुजरते घंटे के साथ भोपाल में बैठे परिजनों की चिंता बढ़ती जा रही है. देवकी ने बताया कि नेपाल में रहने वाले उनके परिजन और रिश्तेदार अक्सर भोपाल आते-जाते हैं. इस बार सभी गांव से बस के जरिए गोसाईकुंड की धार्मिक यात्रा पर निकले थे. परिवार में उत्साह था, लेकिन अचानक आई आपदा ने पूरी यात्रा को मातम और चिंता में बदल दिया.

> **टूटे पुल और बाधित रास्तों ने बढ़ाई चिंता**
> देवकी ने बताया कि लापता 29 लोगों की तलाश में राहत और बचाव दल को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है . जिस इलाके में उन्हें तलाशा जाना है, वहां पुल टूटने और सड़कें बाधित हैं . देवकी ने बताया कि भोपाल में परिवार के लोग लगातार नेपाल में अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों से संपर्क की कोशिश कर रहे हैं .

परिजनों के मुताबिक, बाढ़ की सूचना मिलते ही यात्रियों ने अपना खाना और सामान वहीं छोड़ दिया और जान बचाने के लिए ऊंचाई की तरफ भागे. किसी तरह एक मकान की छत पर पहुंचकर उन्होंने शरण ली. फोन पर उन्होंने बताया था कि पानी लगातार बढ़ रहा है और मकान भी सुरक्षित नहीं है. इसके बाद अचानक फोन कट गया.